[illegible] इलाज [illegible] हुए [illegible]
[illegible] है माताजी कह रही थी गस्स जाते हैं
दवाई नहीं लेते [illegible] आई है
इसलिये कि आप [illegible] होती है
[illegible] लिखा [illegible]
के लगाना देने हैं सब इनका [illegible] किया था
[illegible] जी ने इनको 6-7 [illegible] की पी के [illegible]
ये इलाज बताया था। आपने भी [illegible] करताना
लगाना देने की बाबत [illegible] किया था जी [illegible]
लगाना को कहीं [illegible] लगवाइये। आप कब
तक भरतपुर आ रहे हो। [illegible]
[illegible] के [illegible] भी [illegible]
[illegible] प्रणाम [illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्रीमान पं. गोविन्द जी मिश्र
वैद्य श्री बृहस्पति देव (त्रिगुणा)
भोगल रोड पोस्ट जंगपुरा
देहली 14
देहली 14

POSTAGE
5 nP INDIA

DELHI [illegible] 17 [illegible] PM

मौनजी
भरतपुर
२८।११।६०

श्री

परम पूज्यनीय एवं आदरणीय महानुभाव
श्री १००८ श्री बाबा महाराज जी के चरण
कमलों में कोटानुकोट डंडवत प्रणाम
एवं चरण स्पर्श श्री परम पूज्यनीय
श्री चाचा जी एवं श्री चाचीजी के
चरण कमलों में नमस्कार अनेकों
बाद। श्री मान आदरणीय
श्री चाचाजी मुझसे एक गलती
होगई जो आप [illegible]को पत्रोत्तर न दे
काफी अरसा होगया है। आपकी
इनकी याद आती रहती है। तथा
कुछ पत्रा आता। भैया श्री प्रतिदिन
है। आपकी [illegible]
[illegible] याद [illegible] मैं [illegible]
[illegible] विलाई [illegible] डंडवत प्रणाम [illegible]
[illegible] लड़ाई [illegible]

श्री चरणोंमें कोटिशः
प्रणाम स्वीकृत हो। गोविन्द

पं. राम मीलाल जी वेदपाठी डा. ठाकुर
विश्वम्भर दयाल जी, छोटे लाल जी
ओमप्रकाश जी, सेठ जगन्नाथ प्रसाद
आदि जी आपके चरण कमलों में
कोटिशः प्रणाम निवेदन करते हैं।



प्रापक :- श्री "श्री" जी महाराज
c/o
श्री सीताराम जी
शंकर, बी ६६ II
मोती बाग
~~[illegible]~~
~~[illegible]~~, नई दिल्ली

पिन PIN

श्री:॥ भरतपुर

परमपूज्य श्री श्री जी महाराज के
चरण कमलों में कोटिशः सादर प्रणाम।

सर्वदा कुशलम् अस्तु। आपका पत्र प्राप्त हुआ।
यहाँ पर आदरणीय मामा जी का स्वास्थ्य ऐसा ही चल
रहा है कोई विशेष सुधार नहीं है। दवाई
चल रही है। मामी जी का स्वास्थ्य भी ऐसा ही रहता
है। और सब ठीक है। भाई साहब गिरीश्वर जी आजकल
[illegible] में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत
हैं। भाई के लाड़ला भी यहाँ पर है परिवार सकुशल है।
मैं आशीर्वाद व कृपा से सकुशल हूँ। १०तारीख
को मैं जयपुर गया वहाँ पं. दुर्गादत्त जी बहुत की
गहरी [illegible] का ही स्वास्थ्य खराब था [illegible]
देखा ठीक है। यहाँ से सभी प्रेमी भक्तों का
आपको सादर कोटिशः प्रणाम। मामा जी मामी
व भाई साहब व भाभी जी व रद्दजी कामी
आपको बारम्बार कोटिशः प्रणाम। श्री सत्यनारायण
जी को भी यहाँ से (सभी पारिवारिक भक्तों)
उनके परिवारी भक्तों सहित यथायोग्य प्रणाम

आपका बालक
योगेश्वर

बड़ी सज्जनता एवं प्रेम प्रदर्शित करते हैं लेकिन मैं
यह मुनासिब नहीं समझता हूँ कि उनके साथ इस प्रकार
मारूं मैं नौकसा ह्विक्टो मे २१-१२-६० मे गामर स्मी
मिला लाया हूँ। आदरणीय श्री वैद्य जी पं हास्यजी जोशी
मेरा नमस्कार कहना उन्होंने मेरे बारे में ज्यादा प्रयास
किया हो लिखना मेरे योग्य सेवा से सूचित करें।
धरणीधर, शम्भुनाथ, गौरीशंकर
विश्वनाथ, हरी शंकर, पूज्य बाबा, माई
मामाजी आदि सभी को हाथ जोड़कर २२-१२-६०
ढोक देते हैं। जीजी और खंहन मां सभी को। राम २
कहना है।

— धरणीधर शर्मा

सेवा में
श्रीमान पं. गौरीशंकर जी मिश्र,
C/o
श्री वैद्य बृजलाल देव
मोगल राड पोस्ट अजमेर
देहली नं. ६



आदरणीय श्री कुम्हेर
ता- २८-१२-६०

श्रीमान । भैया जी

सादर प्रणाम

सर्वत्र कुशलमस्तु

आपका । बिना तारीख का पत्र २६-१२-६० को प्राप्त हुआ समझ में नहीं आता कि भरतपुर से ऐसा पत्र । किसने डाल दिया मेरे बुखार आदि के विषय में आप दिल्ली में परेशान है इसे पढ़कर दिल को और भी दुःख हुआ मैं तो पत्र मैं तो केवल इसलिये नहीं लिखता था कि मामूली बुखार था क्या है आते जाते रहते हैं अब मैंने २६-१२-६० से ड्यूटी ज्वाइन ली है। चिन्ता की कोई बात नहीं है परम आदरणीय पूज्य श्री बाबा महाराज को सादर चरणस्पर्श निवेदन करके बाद में कहें उनका स्वास्थ्य अब कैसा है मेरे पत्र तारीख २३-१२-६० का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है शायद पत्र आपको मिल गया होगा उसकी शैली की तरफ ध्यान रखने को कष्ट न करें कुछ परिस्थितियों वश उस समय मुझे क्रोध आ गया था वैसे यह स्वाभाविक है कि बच्चे गलती करते हैं लेकिन बड़े आदमी उसकी तरफ ध्यान नहीं देते हैं आदरणीय पूज्य श्री भाभी जी को सादर प्रणाम उनके स्वास्थ्य का अब कैसा हाल है कोई समाचार प्राप्त नहीं हुआ है बड़ी चिन्ता है कृपया लिखना कि अब स्वास्थ्य कैसा है आपके पत्र के अनुसार श्री जैन साहब २५-१२-६० को पधारे थे और उन्होंने मुझसे कहा है कि मेरे विषय में आप बड़े परेशान हैं हालत बहुत खराब देख गये हैं उन्होंने यह लिख दिया है कि आप [illegible] साहब [illegible] आपको भी बिल्कुल । चिन्ता न करें श्री जैन साहब मेरे जी





POST CARD

REPLY

ADDRESS ONLY





सेवा में, श्री मान बाबाजी

मेडिको सर्जीकल इन्डस्ट्रीज

भाडुप

Bombay. (भाडुप)

॥ श्री ॥

वृन्दावन
२२-९-४२

श्रीमान बाबा जी के चरणों में दास इन्द्र कुमार का प्रणाम स्वीकार हो। आगे समाचार यह है कि पत्र आपका मिला पढ़ कर दिल को खुशी हुई। बाबा मुझे वृन्दावन आये हुये (बीस) दिन हो गये यहाँ पर। चित्त बिल्कुल नहीं लगता आप जहाँ तक हो सके कार्य को जल्दी से जल्दी समाप्त करके वृन्दावन पधारने की कृपा करियेगा। आपने जैसा की जप करने को पत्र में लिखा है सो मैं शुरू कर रहा हूँ। बस बाबा आप से हाथ जोड़ कर प्रार्थना है कि आप जल्दी से जल्दी वृन्दावन आकर अपने दर्शन दें बाबा अब मेरा कोई चारा नहीं है अब मुझको कोई अपना नहीं दीखता बाबा मैं बहुत ज्यादा दुखी हूँ अब आप ही मेरा उद्धार करने वाले हो

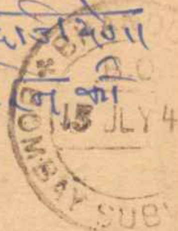
श्रीमान रावजी साहब (आठ रोज से) वृन्दावन ही पधार रहे हैं। और सब भगवान की कृपा है। पत्र उत्तर शीघ्र देना गलती हो तो क्षमा करना। मेरे लायक जो सेवा हो सो लिख देना।

बाबाजी वृन्दावन जल्दी आने की कृपा करियेगा

आपका दास
इन्द्रकुमार

सो माफ करियेगा जब आप
वहां से चलें तो हमें तार से
खबर जरूर दीजियेगा
और प्रार्थी पधारने की
कृपा करियेगा।

आपका दास
इन्द्रेश कुमार
मुरादाबाद निवासी



POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER ADDRESS ONLY



सेवा में श्री मान बाबाजी
मेडिको सार्जीकल इन्डस्ट्रीज
मांडवी बम्बई

मेडिको साजीकल इन्डस्ट्रीज
Bombay.

।श्री।

वृन्दावन.
30/6/48.

श्री मान बाबा जी के चरणों में इन्द्रा कुमारी का
प्रणाम स्वीकार हो आगे समाचार यह है
कि बाबा जी हमको आपके दर्शनों की बड़ी
आस लग रही है अब आप कृपा करना जिससे
से जल्दी दर्शन देकर हमारे उदर को निस्तरण
कर दीजिये आपकी बड़ी कृपा होगी। बाबा
यह एक दिन को आ जाइये मगर आ
जकर जाइये वैसे हम आपसे बोलने
कुछ भी बात नहीं सकते हैं मगर फिर
भी मैं मा पिता कहते है कि आप उनके
उदरों पर रहम करें और अपनी कृपा दृष्टि
करें। बाबा चित्र बड़ा दुखी रहता है
बिल्कुल मन नहीं लगता पं नत्थारामजी
पं बालकृष्ण जी आपको प्रणाम करते
हैं और सब भगवान की कृपा है पत्र

उत्तर शीघ्र दीजियेगा गलती हो

श्री मान बाबा जी मैं वृन्दावन
आपकी बहुत आस करके आया
हूं इस समय मैं बहुत दुखी
हूं मैं आशा करता हूं कि आप
पत्र को देखकर शीघ्र
विन्द्राबन पधारेंगे और
मेरे कष्ट का निवारण करेंगे।

आपका दास
इन्द्र कुमार
उमाहानाराबाल

POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY



30 JUN 48

श्री बाबा जी
C/o
मेडिकल सर्जिकल इन्डस्ट्रीज
पो. माटुंग जि. थाना
बम्बई
Bombay.

श्रीहरि

वृन्दावन
२९-६-४२

श्री सन्त बाबाजी प्रणाम,

समाचार यह है कि पत्र आपका आया पढ़कर हाल मालूम हुआ। श्याम आपको नटवरश्याम व बालकृष्ण हाथ जोड़ कर दण्डवत करते हैं।

इन्द्रा कुमार फर्रुखाबाद से आ गया है और आपके इन्तजार में है आप पत्र को देखकर चले आवें। गऊ अभी दूध दे रही है। बाबाजी सहाव के मुकदमे में तारीख पड़ गयी है और ६००) रुपयों में मकान का ठेका देकर के मकान ठीक करवा लिया है दुकान का काम अभी पैसा न होने की वजह से कुछ आराम होता नहीं है और आपका जो छपा हुआ मन्त्र था वह गोपेश्वर में लगा दिया है बाबाजी आप पत्र को देखकर शीघ्र ही चले आवो आपकी बड़ी कृपा होगी।

श्री धर्मेश्वर एवं श्री ... आशीर्वाद
एवं भाभी जी का जयशंकर प्राप्त है
यहां पर सभी प्रेमीजनों को
पूज्य श्री ताऊजी का जयशंकर
ज्ञात हो एवं मेरी ओर से
भी सभी प्रेमियों को जयशंकर
ज्ञात हो और सभी कुशल
मंगल है आपके स्वास्थ्य के समाचार
अभिलाषा देने की उपरान्त त्रुटियों
को क्षमा करेंगा, अभी गैर प्रयोजन
को राजीव नहीं, आया है -
आप भरतपुर कब पधार रहे है
पत्र ... शुभाकांक्षी
ओमप्रकाश शर्मा







श्रीमान् श्री "श्री जी" महाराज
योगीराज आनन्द
556/B.
सेक्टर - 7
फरीदाबाद FRIDABAD

पिन PIN

श्री

Bharatpur
9.3.78

अनंत श्री "श्री जी" महाराज
के चरण कमलों में
दासानुदास की साष्टांग दण्डवत
स्वीकृत हो।

आपका काफी समय से कोई कुशल
समाचार प्राप्त नहीं हुये काफी
चिंता बनी हुयी है, पुज्य श्री ठाकुर जी का
स्वास्थ ठीक है मैं आपकी सेवा में पहले
भी पत्र प्रेषित कर चुका हूं लेकिन
क्या कारण बना जिसका उत्तर मुझे
नहीं मिला पुज्य श्री ठाकुर जी रोजाना
पूछते थे कि बाबा महाराज का कोई
कुशल समाचार आया, लेकिन पता नहीं
आपको मेरा पत्र नहीं मिला या
कोई दूसरा कारण बना, आपसे
यही प्रार्थना है कि पत्र को मिलते
ही जवाब दिलवाने की कृपा करें।
पुज्य श्री ठाकुर जी ... हुआ और
... आपको सा... दण्डवत प्राप्त हो

की ओर से नमस्कार निवेदन कर दें।
यदि दिल्ली से बाहर हों तो आप उनका
पता अवश्य लिख देना शेष सभी ठीक हैं
घर के सभी को नमस्कार ज्ञात हो।
कष्ट के लिए क्षमा चाहते हैं

आपका
[signature]
?.8.78





सेवा में
श्रीमान [illegible] लाल जी
न 28 C आर.प्लॉ. [illegible]
जनता फ्लैट्स [illegible]
[illegible]
पिन PIN

श्री

Bharatpur
9.8.78

श्रीमान् रतन लाल जी

सादर जयशंकर

आपका अभी तक कोई समाचार प्राप्त नहीं हुये, और नहीं अनन्त श्री 'श्री जी' को, पुज्य श्री बाऊजी ने आप को एक पत्र लिखा, जिसका आपने अभी तक कोई उत्तर नहीं दिया क्या कारण है।

अनन्त श्री 'श्री जी' आजकल कहा विराज रहे हैं इनके समाचार लिखना, शुभ दिनों पुज्य श्री बाऊजी एवं श्री बुआजी व श्री धर्मेश्वर लीला ही ज्वर से पीडित हैं पुज्य श्री बाऊजी ज्वर आने से कमजोर अधिक हो गये हैं।

पुज्य श्री बाऊजी का एवं बुआजी का साष्टांग दण्डवत श्री 'श्री जी' के चरणकमलों में निवेदन कर दें। मेरी ओर से भी श्री चरणों में साष्टांग दण्डवत निवेदन करना न भूलें। यहां पे आप सभी को सभी का जयशंकर स्वीकार हो।

[illegible] अनन्त श्री 'श्री जी' दिल्ली में विराजमान रहे हों तो आप यहां के सत्संग प्रेमीजनों

SA लाला श्यामलाल जी आदि वहां के
सभी प्रेमियों को यथोचित जयशंकर
ज्ञात हो तथा SA के. के. आनन्द जी
को सपरिवार हम सभी की
यथोचित जयशंकर ज्ञात हो।
SA पंडित ~~[illegible]~~ बलजिन्नाथ जी के
7.9.78 के पत्र से ज्ञात हुआ कि
आपका विचार आत्म-विलास (सुन्दरी-
माधव) का सटिप्पण एवं पारिभाषिक
कोश सहित जयपुर से मुद्रण कराने
का विचार है। श्री रमानन्द जी का
कोई पत्र इन दिनों प्राप्त नहीं हुआ।
SA पं. बलजिन्नाथ जी ने भी अपना
10.9.78 को दिल्ली जाने का विचार
लिखा था।

दासानुदास
ओमप्रकाश शर्मा



सेवा में
अनन्त SA "श्री जी"
90 SA के. के. आनन्द
18-B-की फर्स्ट फ्लोर
(18-A-B First floor)
Gandhi nagar
Jammu Tawi
पिन PIN जम्मू तवी

[illegible]

[illegible] श्री चौमुंहा भरतपुर

21. 9. 78

अनन्त श्री श्री जी महाराज के चरणारविन्दों में दासानुदास को साष्टांग दण्डवत् स्वीकृत हो। श्री रतन लाल जी का पत्र दिनांक 18-9-78 का लिखा प्राप्त हुआ। पता चला, आप परमानन्द स्वरूप श्री के. के. आनन्द जी के यहां नित्यानन्द कर रहे हैं। यद्यपि यहां तो बाढ़ नहीं आयी, परन्तु चारों ओर बाढ़ का प्रकोप खूब रहा है, इसी कारण से अब चारों ओर मलेरिया ज्वर की भी बाढ़ आना प्रारम्भ हो गया है ईश्वर मालिक है. वही प्रभू कल्याण करेंगे. वैसे हम सभी परिवार वालों का नम्बर तो लिस्ट में आ गया है। किन्तु ज्वर को उस से निवृत हो चुके हैं। पूज्य श्री ताऊजी का स्वास्थ्य अपेक्षाकृत ठीक है। पूज्य श्री बुआ जी एवं श्री [illegible] महिलाएं एवं सौभाग्यवती भाभी जी एवं डाक्टर श्री धर्मेश्वर जी आदि सभी ~~को~~ साष्टांग प्रणाम स्वीकृत हो। आपका नित्य ~~प्रीतिदिन~~ स्मरण करने से सब ठीक हो जाता है। श्री पण्डित दुर्गादत्त जी कुछ दिन पूर्व जयपुर से पधारे थे, उनके मकान का बटवारा कुछ भले मनुष्यों की कृपा से हो गया है। ट्रस्ट के कार्य के लिए [illegible] लो गये हैं, जल्दी ही कार्य आरम्भ कर रहे ऐसा आसार होते हैं।



प्रेषक:-

पं. हीरालाल श्रीनिवासपुरी

मं. ६४

मन्दिर में

नई दिल्ली ६५

पिन PIN

॥श्रीः॥ भरतपुर
१६-५-८१

श्रीमान पण्डित जी

सादर प्रणाम। सर्वत्र कुशल-मस्तु। आपका पत्र प्राप्त हुआ। समाचार ज्ञात हुए बाबा महाराज के स्वास्थ्य विषय में जान कर दु:ख हुआ पर पूर्वापेक्षा सुधार है। यह सन्तोषप्रद है। यहाँ से समस्त परिवारीजनों को आप आँप तक कोटिश: श्री "श्री" जी (बाबा महाराज) को सादर प्रणाम कहें। पण्डित नित्यानन्द व उनकी श्रीमती जी को मामा जी का आशीर्वाद कहें। मामा जी का आपको भी आशीर्वाद ज्ञात हो। शेष कुशल। —धर्मेश्वर

2.7.81 को ड्यूटी ज्वाइन करली है शेष आपके शुभ-आशीर्वाद से सकुशल हो गया है
यहां पर सभी प्रेमी जनो को मेरा नमस्कार ज्ञात हो आदरणीय श्री आत्मा जी को पत्र डाला था लेकिन यहां से अभी कोई उत्तर नहीं आया है.
स्वास्थ्य सम्बन्धी समाचार देकर दिलाने की कृपा करें
आपकी अति कृपा होगी
सेवक
[illegible] 3/8/81



To
अनन्त श्री "श्रीजी" महाराज
C/O श्री सीताराम जी
B-66 मोतीबाग
साउथ नम्बर - 2
नई दिल्ली
NEW DELHI
पिन PIN

श्री पौपुर्गा भरतपुर
3.8.81

अनन्त श्री "श्रीजी" महाराज
के चरणारविन्दो मे दासानुदास के
साष्टांग दण्डवत स्वीकृत हो।

आपके विगत कई दिनो से कुशल समाचार अभी तक प्राप्त नही हुये हैं। आप व्यास पूर्णिमा पर तो दिल्ली आ ही गये होगे लेकिन अभी तक आपके एवं दिल्ली से किसी भी प्रेमीजन के कुशल समाचार प्राप्त नही हुये हैं। चिन्ता का विषय बना हुआ है। पूज्य श्री ताऊजी का स्वास्थ्य ऐसा ही है। पूज्य श्री ताऊजी एवं श्री बुआजी के आपको साष्टांग दण्डवत स्वीकृत हो एवं वहां सभी प्रेमी जनों को ताऊजी की ओर से जयश्रीकृष्ण ज्ञात हो। श्री धर्मजी एवं सेठ जगन्नाथ जी श्री हनुमानसिंह जी आदि सभी के आपको साष्टांग दण्डवत स्वीकृत हो। आपको कुशलता का समाचार अवश्य मिलना चाहिये। चिन्ता का विषय बना हुआ है मेरा स्थानान्तरण [illegible] भरतपुर हो गया है

29.6.81 को भरतपुर को आ गया था

गोविन्दजी ने वह रमाकान्त शास्त्री
को दे रखा था। रमाकान्त का
देहान्त होजाने के कारण अब उस
पुस्तक के जोधपुर से लौटने की
कोई संभावना नहीं। अब आपसे
मिलना तो होता ही नहीं।

आपका - सम्पूर्ण दत्त मिश्र

श्री श्री जी
C/o पं० देशराज शर्मा
C/22 मोती बाग
नई दिल्ली

पिन PIN



उल्लासश्रीभवनम्
245-B गोपालगढ़,
भरतपुर (राज॰)
९-१०-१९८२ ई॰

श्री आचार्य जी,

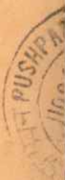
प्रणाम। धर्म से ज्ञात हुआ कि आपने गोविन्द जी के यहाँ की पुस्तकों को जयपुर भेजने का निर्देश दिया है। यदि आप उचित समझें तो उन पुस्तकों को जयपुर न भेजकर मेरे पास रख दें। आगे आपकी इच्छा। मैंने धर्म से श्री विद्यार्णव

पढ़ने को माँगा था। उसने कहा कि

चलते समय वे मेरे बड़े लड़के से कह गये थे
कि जब तुम ठीक समझो तब पिताजी से पूछ
लेना कि वे राधाकृपाकटाक्ष और कृष्णकृपा-
कटाक्ष का हिन्दी और इंगलिश में पद्यानुवाद
कर देंगे क्या। कर दें तो हम छपवा देंगे।
मैंने यह स्वीकार कर लिया। उन स्तोत्रों को
पढ़कर मेरा मन इतना फड़का कि मैंने दो
स्तोत्र लिख डाले। नाम है- रासनायकस्तव और
रासनायिकास्तव। उन स्तोत्रों से मेरी यह धारणा भी
बनी है कि आद्यशंकराचार्य किसी समय छद्मवेष में
राधाकुण्ड में आकर रहे थे। आपका - सम्पूर्ण दत्त मिश्र

श्री रतनलाल जी
R.P.S. 286
मदनगिर Madangir
NEW DELHI-62

पिन PIN





लिखे बुधाउ अंजीन के [illegible]
कुछ मस्त [illegible] [illegible] किया

उल्लासश्रीभवनम्
245-B, गोपालगढ़,
भरतपुर (राजस्थान)
~~२१ २~~ 21.2.1982

श्री रत्नलालजी,

नमस्कार। आपका 18 फर्वरी का पोष्टकार्ड मिला। श्री जी महाराज से मेरा प्रणाम कहिए। उनसे कहिए मैंने संस्कृत में दो नये स्तोत्र लिखे हैं और उनका ~~हिन्दी~~ और इँगलिश में पद्यानुवाद भी कर दिया है। इँगलिश में पद्यानुवाद करते समय मुझे एक नई बात का पता लगा कि ~~[illegible]~~ इँगलिश छन्द पर संस्कृत छन्द का कितना प्रभाव है और उस सचाई के प्रमाण स्वरूप मैंने इँगलिश में पद्यानुवाद उसी संस्कृत छन्द में किया है जिसमें मैंने ये स्तोत्र लिखे हैं।

गणेशचतुर्थी को मेरे पिता का देहान्त होगया था। मैं सोरों में पिण्डदान, गंगास्नान करके लौटा ही था कि मेरी बड़ी पुत्रवधू के चोट्या तोड़ आदि [illegible]

कोलेज, गोवर्धन के प्रिंसिपल [illegible] भी थे।

"श्रीचरणानां सम्प्रति कुत्र स्थितिरि-
ति जिज्ञासा वर्तते। मदीयाः प्रणति-
ततयो विनिवेद्याः। परिवारे इतर-
बन्धुवर्गे च मे यथायथं नमस्क्र-
त्यादयो निवेदयितव्याः।

कृपाकाङ्क्षीकुलः—
रघुनाथो वसिष्ठः





श्री गोविन्द मिश्र जी,
चौबुर्जा,
भरतपुर

पिन PIN

देहरादूनतः
२२ मकरार्के २०३३ वि.

मान्या मिश्रवर्य्याः

'वन्दे। पत्रं भवतामधिगतमि'ति चिरन्तनं वृत्तम्। अहं तन्वा मनसा चातितरामस्वस्थो न पत्रं लेखितमपारयम्। लज्जेऽहम् एतत्पत्रलेखनात्पूर्वं, न जाने कियन्ति पत्राणि भवन्मुखे लिखित-वानस्मि। एतेनैव भवतां विदितम्भवेत् - यदहं श्रीचरणानामादेश-सभाजने न कृत्वा कियत्पापमर्जितवानस्मि। अस्तु - 'पञ्चदशी'-प्रेषणमहं भगवदनुग्रहे सति यथाशक्यमविलम्बं करिष्ये। अपरञ्चाहं द्वि-द्विमासान्तरेण विद्यालयसेवातोऽवकाशं लप्स्ये। तदनन्तरं मया भावी कार्यक्रमः सुनिश्चेतव्यः। तदर्थमाचार्यचरणानां [illegible]। मध्ये भवतामपि दर्शनं कुर्याम्।



पू॰ पं॰

अमृतवाग्भवाचार्य

c/o बी॰ डी॰ बक्षी॰

हिन्दुस्थान हौसिंग फॅक्टरी

जंगपुरा॰ नं॰ दिल्ली १४

कृपया पत्रोत्तरेण

दूरवाणी 226939 ~~226131~~ — द्वारा-डॉ॰ मण्डनमिश्र, अ॰ भा॰ संस्कृतसाहित्यसम्मेलन, 23/3 शान्तिनगरम्, दिल्ली ७

इति संकेतेन ज्ञाप्यताम्

226131

कृतज्ञः

[illegible]

॥ श्रीः॥ दि. १३ जून ८७



शारदा

संपादकः वसन्त अ. गाडगीळ.

भारत-केन्द्रशासन-पुरस्कृतम् एकमेवाद्वितीयं
सर्वाङ्गपरिपूर्णं विश्वप्रियं संस्कृत-पाक्षिकम्

सादरं नमो नमः।

आखिल-भारतीय-संस्कृत-साहित्य-सम्मेलनस्य महासमितिसभा २८ जून १९८७ ता[illegible] विधते।

तदर्थं अहं पञ्जाब मेल यानेन शुक्रवासरे रात्रौ ९ वादने दिल्लीम् आगमिष्यामि। दिनचतुष्टयं मम तत्र निवासः भवेत्। श्रीमतां तत्रभवतां दर्शनं कदा, कुत्र, कथं संभवेत्?

‘शारदा’-कार्यालयः
४२५ सदाशिव पेठ, खजिनामहालभवनम् पुणे २

From :—

M. Sathyanarayana
Librarian, Bureau of
Ecocs. & Statistics
Hyderabad – 4

———— × ————

Please accept ——
New year Greetings
———— × ————





To

V. D. Bhalcshji
33, Hindusthan Housing
Factory, Staff colony
Jangpura, N. Delhi – 14

Secunderabad
D/26-3-68

Dear Sir

Received your kind letter and noted the contents. convey to swamiji that by God's grace we are all well here. Since a few days Sri Avadhootendra Swamiji is not doing well and was advised by the doctors to take complete rest for about two months. Due to which all his engagements have been cancelled. His address is C/o Sadbana Graandha Mandali, Tenali (A.P.). Please be informing us about the welfare of you all and of Swamiji. Convey our [illegible] pranams to Swamiji.

Yours sincerely
M. Sattyanarayana



पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

श्री गोविन्दजी मीश्र
c/o वैद्य बृहस्पति देव (त्रिगुण)
मोगल रोड़ पो. जंगपुरा
देहली नं. १४

(मुझे श्री चरणों के बारे जबसे पत्र मिला है अधिक चिन्ता
रहने लगी है मौका देख रहा हूं अवश्य दर्शनार्थ आऊंगा
कुछ औषधियां भी साथ लाऊंगा क्या कहूं एक नया संकट
मोल ले लिया है म्यूनिस्पैलटी इलेक्शनों में अन्याय को
नहि देख सका सुधार करने के लिये उठा जाल मेरे शीर
पे पड़ गया लोगों ने आग्रह से मेरे को टी बांध लिया अत:
अब मैं पंजीन न गया हूं २६ को आयोजीत के अनेक होंगे
२ तक वापिस होगी मैं २६ दिसम्बर के बाद एक दिन के
लिये श्री चरणों के दर्शनार्थ आऊंगा वैसे तो २५ जनवरी
तक उलझ गया हूं ~~उधर~~ तो क्या सुधार करें स्वयं सुधारा
जा रहा हूं महान संकट मोल ले लिया है श्री चरणों में प्रणाम

२३-१२-६०

श्री प्रिय गोविन्द जी । जय श्री-चरणोंकी
पत्र मिला समाचार जाना आप लिखते है कि
आह्लादक हुए पत्र दिया था उत्तर नहि मिला मैया
आप पता नहीं क्यूं ऐड्रेस लिखना ही भूल गए
अतः मैं पत्र लिखकर अवाक् रह गया की पत्र कहां
डालूं वहभी आजही भेज रहा हूं भरतपुर तो जिसदिन
बच्चे के लिये जो श्री चरणोंकी आज्ञा पहले थी वही
आरम्भ करचुका हूं कि लोमशोक्त मृत्युंजय स्तोत्र के ५ पाठ
मैं नित्य करने लगा हूं बच्चेसे संध्योपासना नमस्कार गायत्री
की एक माला जपके बाद ॐ त्र्यम्बकं इस मंत्र जप की
१ माला जपवाता हूं औषध्य होमियोपैथीक ही दी
है तीन दिन तो घंटी की तरह प्रातरोज ८-९ बजे
रोग आता रहा अब बिल्कुल नहीं मेरे ख्याल में
होमियोपैथीके योगसे या तो निर्मूल हो गया अथवा
हो सकता है २ मांह ६ मांह बाद फिर आक्रमण हो दवा
मैं होमियोपैथीक मंत्रौषध बलप्रद निरंतर चालू

जबतक रहेगा और सब कुशल ही है पं. जी भाई दोनों
तो असाध्य ही है।

the word "अतिथि"
Sorry to put you to
inconvenience.
~~A~~ reply by the
Return post would
help a lot and
facilitate the
work. The enclosed
post card is for the reply.



पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS FOR THE REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

SWAMI Amritavaagbhava Jee
c/o
Sh. Sita Ramjee
Nanakpura
B-66 Motibagh II
New Delhi

पिन PIN

Jammu (Tawi)
7-8-1978

Revered Swami Jee,

Pranaama!

Trust this finds you in the best of your health and bliss. A word "शाक" is quite often used in your book "श्रीत्रिपुर-महारहस्यम्". I should be highly grateful if you kindly make it convenient to let me know your interpretation of

कृपया कभी २ श्री चरणों में पत्र लिखने
का सुअवसर अवश्य प्रदान कर दिया
करें। अति कृपा होगी।

कृपाकांक्षी:—
सेवक-
[signature]

पुनश्च :— यथा समय पत्र
अवश्य लिखने की इच्छा है।

[signature]

POST CARD

ADDRESS ONLY

½A ½A
INDIA POSTAGE

BHARATPUR CITY DELY. 13 APR 47 8.45 M

11 APR 47 ... MANDI

श्री आनंदजी महाराज, मार्फत
कोठी गुलज़ार, भरतपुर सिटी,
भरतपुर स्टेट

To,
Shri Swami Anandji
Maharaj
C/o
[illegible]
BHARATPUR City { Bharatpur State

ॐ

अमृतसर
10.4.47

श्री पूज्यपाद ब्रह्मचारी जी महाराज,

साष्टाङ्ग प्रणाम।

कृपापत्र ति० ६.४.४७ को मिला। धन्यवाद। ईश्वर कृपा तथा आपके आशीर्वाद से मैं अपने परिवार, सम्बन्धी तथा मित्रवर्ग सहित कुशलपूर्वक हूँ। भविष्य के लिये श्रीचरणों में प्रार्थी हूँ कि दया दृष्टि से कृतार्थ करें। विश्व का भार आपके कंधों पर है अतः उसका उद्धार कर सुख एवं शान्ति का राज्य स्थापित कीजिए।

पता लगाने के लिये प्रतिनिधि रूप में प्रायः दो-एक सज्जन प्रयत्नशील रहते हैं; परन्तु जैसा कि मैं आपसे प्रतिश्रुत हो चुका हूँ उसपर अटल हूँ।

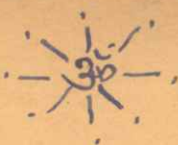
विश्वेशो जनको
उमा च जननी
गंगा च मातृ स्वसा ।
ढुंढि-भैरव-दण्डपाणि सदृशाः
ज्येष्ठाः मम भ्रातरः ।
धर्मो सखा मणिकर्णिका च
भगिनी भार्या मम सन्मतिः ।
सुभावो सुतो सुकृतिश्च दुहिता
सदा सुफलदा
काश्यां कुटुम्बं मम ।

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY



श्री अमृत वाग्भवाचार्य जी
C/o श्री मिश्र गोविन्दशर्मा
चौबुर्जा,
भरतपुर

8;91



Add:
Hiranagri V. Ram
c/o Manager
Kashmir House
Har-ki-Pedi
Haridwar

पूज्यपाद,

प्रणाम!

श्री बलजी के पता पर पहले पत्र भेजा आप को। अभी उन का उत्तर आया। भवभूत्यर्थ आप की अनुमति से प्रोत्साहित हो कर इधर आया हूँ। काम आरम्भ कर दिया। आभ्यन्तर बाह्य विघ्न [illegible] नहीं। [illegible] जाऊँ। और यह शौच भी ठीक कर दें, पराना है;—

श्री से भेंट हुई। वे द्रविड परिवार के थे किन्तु, बनारस में उनका घर है। आपके द्वारा रचित सिद्ध मन्त्र "श्री प्रभो शम्भो दीनं...." उन्हें कण्ठस्थ था। हमें अत्यन्त प्रसन्नता हुई। आपके श्रीचरणों में हमलोगों का बारम्बार प्रणाम। सर्दी में आप कृपया अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखेंवें। आपका - आनन्द

श्री महोदय जी"

द्वारा श्री [illegible]

बी - 306, [illegible]

नई दिल्ली — 110002

पिन PIN

INDIA 15

॥ श्रीः ॥ इन्दौर
2.1.1982

परमपूजनीय अनन्तश्री विभूषित श्रीगुरुजी महाराज के श्रीचरणकमलों में हम सभी का सादर प्रणाम।

दिल्ली से काशी विश्वनाथ कलकत्ता श्रीजगन्नाथ पुरी, मद्रास, मदुरै कन्याकुमारी बैंगलोर बम्बई शिरडी होते हुए हम लोग आपके आशीर्वाद से आज उज्जैन महाकालेश्वर के दर्शन करने जा रहे हैं। आपकी कृपा से हमारी यात्रा आनन्द और कुशलता से हो रही है। कल खण्डवा

वायुसेना के एक उच्च अधिकारी

बनाई गई कापी मिल गई
है मैं रविवार को आपकी
वार्ता का २५ [illegible] मी
आऊंगा। योग्य सेवा
कार्य करें। पूजनीया माताजी
और पूज्य पिताजी के चरण
कमलों में मेरा सादर प्रणाम
निवेदन करें।
आपका सी
त्रिवेदी







श्रीयुत डॉ. रघुनाथ जी शर्मा
M.A Ph.D.
मकान नं. BF 350 A
माता के मन्दिर वाली गली
हरि नगर,
नई दिल्ली 62
पिन PIN 110062

भगवन् श्रीराम नई दिल्ली 62
6. 10. 81

चरण कमलों में सादर प्रणाम। निवेदन है कि श्री राधाकृष्ण सभा के लिए पूज्य गुरु जी महाराज ने आगामी रविवार 11.10.81 को प्रातः 10 बजे मोतीबाग में आपको आमंत्रित किया है, अतः आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर रविवार को अवश्य पधारें। यदि रविवार को संभव न हो तो कृपया रविवार से पूर्व पूज्य महाराज श्री के पास सुविधानुसार पधारने की कृपा करें। श्री दुबे जी द्वारा

आपके यहाँ पधारने पर ही प्रेस में भेजेंगे ।

योग्य सेवा सूचित करें ।

कृपाकांक्षी

रवि शर्मा त्रिवेदी

भारतेन्दु एवं मेरी ओर से भी श्री चरणों में साष्टांग प्रणाम -

आनन्द शर्मा





पूज्यनीय "श्री" जी महाराज

द्वारा पं०श्री हरि राम जी शर्मा
रिटायर्ड एसिस्टैंट रजिस्ट्रार
कोआपरेटिव

पो: नालागढ़ NALAGARH
वाया रूपनगर
हिमाचल प्रदेश

पिन PIN

श्री राम

बी-306, साउथ मोती बाग
नई दिल्ली-110021.

दिनांक : 23-3-1978

पूज्यनीय अनन्त श्री विभूषित महाराज जी,

चरण कमलों में सादर प्रणाम ।

आपका कृपा पत्र प्राप्त हुआ और यह जानकर हर्ष हुआ कि आप वहाँ सानन्द विराज रहे हैं । आपके शुभाशीर्वादों से यहाँ सब सर्वथा सानन्द और प्रसन्न हैं । मेरा शोधकार्य सन्तोषजनक चल रहा रहा है । मैं इस रविवार को कुरूक्षेत्र जाऊँगा । माताजी एवं पिता जी श्री चरणों में साष्टांग प्रणाम निवेदन करा रहे हैं ।

श्री रघुनाथ जी से अंग्रेजी अनुवाद शीघ्र प्राप्त हो जाएगा ।

श्री पं सीताराम जी के पड़ों

सब कुशलपूर्वक!

शंभो" के इति

श्लोकों में आयु की ओ...

होने पर हो पचंम वर्ण

लघु और गुरु कर दो।

पाठक के ... सहायों

की ओर से सौभाग्य प्रणाम

स्वीकार हो।

योगेश्वर द्वारा

कृतार्थ कर कृपाकांक्षी



15 भारत INDIA

सेवा में श्री पूज्य श्री जी महाराज

C/o श्री पं० हरिराम जी शास्त्री

Retd. D.C. and S.O.

P.O. NALAGARH

via Ropar (Pb) H.P.

पिन PIN

P.O नालागढ़ हिमाचल प्रदेश

श्री पं सीताराम जी को पढ़ें
सब कुशल पूर्वक
रंगों " के इति
श्लोकों में आयु की आशा
होने पर हैं पं पञ्चम वर्ण
लघु और गुरु कर देगा
पालन के लिये सदाओं
की ओर से आशीर्वाद प्रणाम
स्वीकारें।
योगेश्वर द्वारा
कृतार्थ कर कृपाकांक्षी



CORRECT & COMPLETE ADDRESS ENSURES PROMPT DELIVERY

बुखार! हो सकता है मलेरिया ही हो क्लोरोक्विन गोलियां लें

15 भारत INDIA

सेवा में श्री पूज्य श्री 'जी महाराज
C/o श्री पं० हरि राम जी शास्त्री
Retd. D.C. and S.O.
P.O. NALAGARH
via Ropar (Pb.) H.P.
P.O. नालागढ़ पिन PIN हिमाचल प्रदेश

श्रीः

B-306 राउस मोतीबाग
नई दिल्ली 21
1.7.78.

अनन्त श्री विभूषित हंसगुरु महाराज,

चरण कमलों में सादर प्रणाम।

श्री चरणों के आशीर्वाद से "शम्भो शंभो" का प्रकाशन कार्य सम्पूर्ण हो रहा है, कल सोहाना से चौ० मिलखीरामजी ने आपका फोटो भेजकर कृतार्थ किया है, इस फोटो का ब्लाक बनके "शम्भो शंभो" में छपना हो रहा है। "चंडी" पत्रिका प्रयाग से मंगवा रहा हूं। "शम्भो शंभो" की दो प्रतियां भरतपुर भेज दूंगा और जहाँ जहाँ भी भेजने के लिए आपकी आज्ञा होगी, वहीं भेज दूंगा।



Shri Bharat Bharati Private Ltd.

1, ANSARI ROAD, DARYAGANJ,
DELHI-7.

श्रद्धेय पंडितजी,

प्रणाम।

आशा है मेरा पहला पत्र मिल गया होगा।
मैं अपनी नई पुस्तक हिन्दी कवि सर्वश्री पुरुष(?)जी को
समर्पित करना चाहता हूँ। हिन्दी में लिखा होगा।
जिनके सहज स्नेह को पाकर पितृप्रेम की प्रत्यक्ष
अनुभूति होती है उन आपने सबके दद्दा(?)।
राष्ट्रकवि श्री मैथिलीशरण जी गुप्त
के [illegible]
[illegible] आशीर्वाद [illegible]

1000/10/1957

सु(सवित पावन व जनहित
रत हैं।
श्री महाराज जी महां श्री कही'
(वोगते हो, कि यह कार्य उनकी
करा दें।
हा [illegible] श्लोक [illegible] चाहिए
[illegible] (बितपातम
इस को सेद [illegible] रही हो। यह
श्लोक [illegible] आदेश के
[illegible] नीचे जाएगा।
यदि [illegible] श्लोक महाराज जी
[illegible]
[illegible] श्लोक के [illegible]
[illegible]



BUY INLAND [illegible] QUICK DELIVE[illegible]
23 FEB 58
2 - PM
HYDERABAD

पं. श्री गोविन्द जी मिश्र
चौबुर्जी
नारनपुर
[illegible]PUR

दे कृतार्थ करें/शेष कुशल है। गोविन्द:

पुनश्च —

जयपुर ट्रस्ट की सदस्यता के लिये श्री के. के. आनन्द जी को मैंने मनोनीत किया है अच्छा रहेगा। यह पत्र मेरे ओर से उन्हे दिखादें। गोविन्द:



अनन्त श्री "श्री" श्री
C/o श्री के. के. आनन्द
18-A-B. First Floor
Gandhi Nagar. Jammu Tawi.

पिन PIN

श्री:। चौबुर्जा - भरतपुर
२२-४-७८

अनन्त श्री

पूज्य चरणारविन्द "श्री" जी महाराज को
को कोटिश: प्रणाम स्वीकृत हों। सर्वत्र: कुशलमस्तु।
यद्यपि यहां से गत कल चि. ॐ प्रकाश (ओमी)
जी द्वारा पत्र लिखवाया था मिला होगा।

आज एक पत्र ग्राम वरसालपुर पो० छ-
तह० जि रोपड से पं. विष्णुदत्त शर्मा
श्री पं. मङ्गलजीत शर्मा का आया है, उन्होंने
लिखा है उनके पूज्य पिताजी पं. जीवाराम-
शर्मा दि. १५-६-७८ को दिन के १ बजे पार्थिव
शरीर को छोड कर प्रभु पार्श्व में चले गये हैं
उनका अन्तिम संस्कार आपके आदेशानुसार
श्री हरिद्वार जाकर नीलधारा में कर दिया है
और वहीं तीसरे दिन २१ सन्त मूर्तियों को
भोजन करा कर भण्डारा कर दिया है।
उन्होंने यह सब सूचना आपको भेजने के
लिये मुझे लिखा है। और यह प्रार्थना भी
की है कि आप उन्हें उनके ग्राम जाकर दर्शन-

का निर्माण करते हुए कर रहे हैं। इस
कार्य में आप जैसे श्रीमान् सज्जन-भक्तों
का निःस्पृह सहयोग रहा है और अब
भी है। आपसे भी पुनः प्रार्थना है कि
अपना सहयोग प्रदान करने की कृपा
करें। ... "श्रीललिता सहस्र नाम" के अति-
रिक्त यदि ग्रन्थ भी प्रकाशन उपलब्ध हों,
तो कृपया उनके भी नाम-मूल्य सूचित करेंगे।
जिससे एक साथ उन सबकी ५-५ प्रतियाँ मंगवा
सकूँ। अच्छा होगा कि आप एक बीजक बनाकर
भेज देने का कष्ट करें, जिससे भुगतान मैं अपनी
अग्रिम भेज सकूँ। भुगतान क्या चेक द्वारा
आप स्वीकार करेंगे? यदि हाँ, तो किस नाम से

प्रेषक:—

कल्याण मन्दिर

अलोपीबाग मार्ग, प्रयाग—६

चेक भेजूँ जाये।... जन्म-कुण्डली की
प्रतियाँ — अपने पितामह स्व. पं. देवीदत्त शुक्ल,

पोस्ट कार्ड



राजपण्डित श्री गोविन्द जी मिश्र
चौबुर्जा
भरतपुर
राजस्थान

बंधुवर, ४६६४ /२-६-६६

सप्रेम श्री जगदम्बा-स्मरण। आपका 30.4.66 का कृपापत्र मिला। मैं हृदय से आपका आभारी हूं कि आपने हमारे यहाँ की पुरानी त्रुटि को ध्यान में रखते हुए भी कृपा करके उत्तर देने की दया की। पूज्य पिता जी (पं. [illegible] शुक्ल) से पूछने पर ज्ञात हुआ कि आपका कथन यथार्थ है किन्तु पुराना हिसाब यहाँ भी सुलभ नहीं है। ऐसी दशा में आपसे यही प्रार्थना है कि आप जैसा सुझाव दें, उस प्रकार की व्यवस्था की जाय जिससे आपकी पिछली हानि की पूर्ति हो सके। मैं आपको "चण्डी" पत्रिका और अपने प्रकाशनों की प्रतियाँ उतने ही मूल्य की आपकी सेवा में [illegible] हम लोग "चण्डी" और शक्ति-साहित्य के प्रकाशन का कार्य आर्थिक संकट

सम्भव है कि उनके द्वारा कोई बहुत
बड़ी त्रुटि आपके प्रति हुई हो। उन्हें
अपनी उस त्रुटि का स्मरण भी नहीं
है। फिर भी वे आपके प्रति क्षमा-
प्रार्थी हैं।
(2)- कृपया आपके प्रति जो भी त्रुटि हुई
हो, उसका विवरण देने की कृपा करेंगे,
जिससे यदि उसका कुछ मार्जन हो सके,
तो उसे करने का प्रयत्न किया जाय।
(3)- 'चण्डी' के शुल्क के मनीआर्डर की
रसीद आपके पास किस वर्ष के संबंध
की है? कृपया सूचित करेंगे कि कितना
~~पत्र उपेक्षित भेजा था।~~ हम चाहेंगे कि
उस भ्रम का भी समाधान इस प्रकार
हो जाय, कि आपको संतोष हो और

प्रेषक:—

कल्याण मन्दिर

अलोपीबाग, मार्ग, प्रयाग—६



श्रीमान् पण्डित गोविन्द ... जी
मिश्र, राजपण्डित
चौबुर्जा
भरतपुर
(राजस्थान)

"श्री ललिता सहस्र नाम" का मूल्य कृपया सूचित करेंगे, जिससे उसका मूल्य आदि भेजकर हम उसकी प्रति को आदेश दे सकें। — पिछली त्रुटियों के लिए अन्त में पुनः क्षमा-प्रार्थना है। — कृपाभिलाषी मदनशील शर्मा

अलोपीबाग मार्ग, प्रयाग–६
४६२८ – २०/४/६६

बन्धुवर,

सप्रेम श्री जगदम्बा-स्मरण। आपका १६.४.६६ का कृपा-पत्र मिला। आपने बहुत बड़ी उदारता की कि श्री मदनशील शर्मा के 'अभद्र व्यवहार' से असन्तुष्ट होते हुए भी पत्र लिखने की कृपा की। इससे हमें आपके 'असंतोष' की जानकारी हो गई। हमारा मात्र इतना ही अनुरोध है कि कृपया उपर्युक्त उदारता के साथ ही हमारे निम्न स्पष्टीकरण पर भी विचार करने की कृपा करेंगे। यदि आप ऐसा करेंगे, तो संभव है कि हम आपके उक्त 'असंतोष' को दूर कर पुनः आपका सद्भाव प्राप्त कर सकें।

(१) पहली बात तो यह है कि श्री मदनशील शर्मा मेरे छोटे भाई हैं। उनका कभी कोई क्रियात्मक सहयोग 'चण्डी'-कार्यालय या कल्याण मंदिर में नहीं रहा। [illegible] उक्त दोनों संस्थाओं का कार्य देखते थे। पिताजी को राजकीय सेवा, पारिवारिक कार्यों के साथ-साथ उन दोनों का कार्य करना पड़ता था। इससे बहुत



श्रीमान्

लाला रत्नलालजी अग्रवाल

सी· ३३ जींगपुरा एक्सटैंशन

नई दिल्ली १४

रात्रौ ७॥ बजे श्री:। चौबुर्जा-भरतपुर
२२-२-७४

श्रीमान्

लाला रत्नलालजी। जयशङ्कर।

सर्वत्र कुशलमस्तु। यद्यपि अभी २-३ घण्टे पूर्व ही पत्र लिखा था। किन्तु आधा घण्टे पूर्व यह दु:खद समाचार मिला है कि अभी श्री निरञ्जनलाल जैन का देहावसान हो गया है। गोविन्द:

श्री योगेश रस्तोगी

जोय शंकर

C/o लालमिल्ला दीपक:

त्रिगुणा वैद्य

मोगल रोड जंगपुरा

दिल्ली-14.

25-7-60





श्री प्रोफेसर बलाजीनाथ पंडित

अनन्त नाग कालेज

अनन्त नाग

काश्मीर

श्रीः

पूज्य श्री प्रोफेसर साहब

प्रणाम

आप के पत्र पर

पूज्य श्री १०८ आचार्य चरणों

ने पत्र लिखे थे परन्तु कोई

उत्तर नहीं मिला। कृपया इन के

लिफाफे ऊपर से लिखने की

कृपा करें। मैं डाक लगाकर

डाल चुका हूं। हमलोग

श्री रामराय साहब के लिए

१/६० साल को दिल्ली थे

[illegible]

गया पहुंच गए।-

जानता हूं। यदि कभी आपको आदि
किसी काम के लिये दिल्ली में बुलावें
जान लेंगे तो लिखें। स्वयं बनाते
में भी रुचि है। श्रीमद्भागवत के
सप्ताह पाठ करने में विशेष आनंद आता
है- ऐसा कोई काम आप के ध्यान में
किसी कोठियों या और स्थान पर हो तब
तो बतावें। भवदीय :-
श्रीनिवास शास्त्री M.A, M.O.L
स-ध-हाई स्कूल - भटिण्डा (पंजाब)

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY



M.S.D. High School,
Bhatinda.
15/10/69

मान्यवर महोदय,

सविनय निवेदन है कि
हम यहां श्री परशुराम भगवान के उद्देश्य
आदि का प्रचार करना चाहते हैं। पता चला
है कि आप इसका साहित्य उपलब्ध
किया करते हैं। इनके संबंध में
जो स्तोत्र या अन्य सामग्री हो जिसको
हम इसके इच्छुक व्यक्तियों में दे सकें
भेज दें। कृपा होगी। हमें आपका
पता पं. विष्णु प्रसाद- जयपुर जिला
तिवारी से मिला।

(2) मैं आज 65 वर्ष का हूं। मुझे अब
समाज कल्याण कार्यों में लगाना ही
ठीक है। मैं संस्कृत - हिन्दी में M.A. हूं
[illegible]

अन्य कुछ भाषायें तथा निबन्ध भी

آپ سب کچھ جانتے ہیں ہم کہاں تک

بھائی مہتو اسے نہ کروں پھر آپکا

کہنا ٹھیک ہے مگر ابھی آپ
جا ہی

اشتیاق کرتا آپکا کام ہے ابھی جو

نے بورڈ ہو یہ عملی مظاہرہ

شو کا خرچ آیا جس میں روپیہ آ گئی

حوالہ پیش کیا سوال سے مجھ کو حوالہ

دیا جاوے گا آپکے جیبوں کا ذکر

دھلی سے بات تمام [illegible]

[illegible] محلہ [illegible]

باہر دھلی سے 16 دکان



पोस्ट कार्ड
जवाबी
केवल पता

NEW DELHI

بمقام خان جنگ پورہ نیو دہلی

سرائے کالے خاں

شری دوارکا دت شرما جی معہ

بھگوان داس

سرائے [illegible]

از گورک

10.12.60. شری مالک جی سوامی جی مہاتما جی دوار

آپکے چرنوں پر میری نمسکار ہو آپ اپنی خیریت کا حال

بھی دیویں = جب بندہ سیتو پر شاہ کے پاس

تو [illegible] وہ شادی کر گیا ہوا تھا جب وہ آیا

تو بندہ نے عرض کی جس نے کہا کہ اس وقت حال

[illegible] میں سب روپیہ خرچ ہو گئے جب وہ شادی

پر جاتا تھا جب انسان تو وہ پیسہ کہاں سے آئے ہیں

پھر بندہ کو صرف 25/- روپیہ دے کہنے لگا کہ

مجھے تو آپکے سو اس جو کہنے پر آ گئے دی ہے

وہ [illegible] میں جا نکل بندہ پھر فرید آباد

کو گیا جبکہ وہ محبوب صاحب سے کہا تو وہ کہنے

لگی کہ جس کو تو نے روپیہ دے ہیں جیسی کہ

پھر جا۔ یہاں کوئی جگہ نہیں ہے بندہ

پھر جیب دھو ہر گھر کر آیا گیو ندر کو قوالی

[illegible] کا آئی [illegible] ان سے جان بچائی

[illegible]

کام کیا ہے مورخہ 20-12-60 کی کو خط
آیا تھا بعد میں تم کو پڑھنا دکھا کر
ملد پیسہ دے تیاری
بھیجو سے اگر
دکھ عملی ہوتو بھیجو سے
شری دوار کا داس
بشو اللہ اکبر کو میری
جب شری عملی
...



نیو دہلی
بمقام خاص جنگ پورہ بھوگل
نیو دہلی سرائے کلے خاں
بنام شری پنڈت دوار کا دت کو ملے

معرفت سبھ کھدر

دوم

21.12.60

سری مان پوجیہ سوامی جی

ہاتھ جوڑ کر میری طرف سے نمسکار ہو

بندہ خیریت سے ہے امید ہے آپکی خیریت

[illegible] سے لکھنا ہے کہ

بیو پرشاد کا لڑکا آیا تھا جس نے

مبلغ 5 روپیہ نقد دے ہیں پہلے ۹۵ روپیہ

آئے تھے کل روپیہ 100 روپیہ مل چکا ہے

دو صد روپیہ گیا ہے آپکی کرپا سے

بہت اچھا کام ہوا ہے بندہ کو ڈر ہی نہ

تھا لیکن ماہر گیا ہوا ہے 2/1 روپیہ سمجھا ہے

یہ سب آپکی کرپا سے [illegible] بندہ [illegible]

[illegible] کام (مل [illegible] روپیہ 2/1 روپیہ

[illegible]

को भी आपके लिए प्रणाम
लिखने के लिए कहा है
श्री छोटेलाल जी, श्री मुकन्दलालजी
श्री केसरी जी एवं श्री नेमीचन्द
शास्त्री जी आदि सभी को सादर
जयशंकर ज्ञात हो। श्री पं. जटाशंकर
जी. मास्टर ओमप्रकाश जी एवं
वहां के सभी प्रेमियों को यहां
के सभी प्रेमियों का जयशंकर
ज्ञात हो तथा सभी प्रेमियों से
निवेदन है जन्मोत्सव के समय
के सभी [illegible]
चरणों में अनेकशः प्रणाम निवेदन
[illegible]





श्री मास्टर ओमप्रकाश रसी
गांव पोस्ट - सोहाना SOHANA
जिला - रूपनगर
(रूपनगर) पंजाब

पिन PIN

श्री:

भरतपुर
29. 6. 66

अनन्त श्री श्री जी महाराज के
चरण कमलों में दासानुदास
ओमप्रकाश का साष्टांग प्रणाम ज्ञात हो।
यहां पर सभी ठीक प्रकार से हैं पत्रोत्तर में
विलम्ब के लिये क्षमा चाहते हैं। 1100)
रुपये का बैंक ड्राफ्ट पंजाब नेशनल
बैंक के द्वारा श्री पंडित बलाजिन्नाथ जी
के समर हिल शिमला-5 के पते पर
खेड़ली से श्री उमाशंकर जी ने भेजा है
सो मिल गया होगा। सम्भवतः वे पहुंच
लिखेंगे. उनको भी पत्र लिखा जा चुका है
किन्तु बैंक ड्राफ्ट भेजने में दो दिन का
विलम्ब हो गया है, भरतपुर से भी ड्राफ्ट
भेजने को उनको लिखा था किन्तु इसमें
भी विलम्ब होना जरूर है। श्री पं. दुर्गादत्त जी
जी भी आपका पत्र मिल गया है और
यहां से श्री पट्टाभिराम शास्त्री जयपुर गये हैं
शेष समाचार उनसे विदित हो जायेगें।

श्री [illegible] आपको
प्रणाम कह रहे हैं काके [illegible] जी आये थे

और असफलता के लिए [illegible]। क्यों कि करीब [illegible] के

रहे हुए काफी अरसा हो गया है। और जबसे आप पधारे

हुए तब से अब तक आपकी आशा पर आज तक [illegible]

अगर बाहर न जा पाता तो [illegible] कहीं के [illegible]

न [illegible] [illegible] [illegible] के करतूत ही था। और

यहाँ काफी कर्जदार हो गया [illegible] भी काफी तैयार

है। उत्तर शीघ्र से शीघ्र देने की कृपा करें। और मेरे

लायक जो भी सेवा हो, अवश्य कहें।

आपका [illegible] [illegible] सिंह

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY



[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ओम्॥

भरतपुर

ता: 2-2-51

श्री श्री 108 श्री महामान्य बाबा अमृत लाल जी को ठाकुर ज्ञानी । सेवक की साष्टांग दण्डवत प्रणाम स्वीकार हो । आपका पत्र हस्तगत हुआ । देर के लिए क्षमा करना जी । आपका स्वास्थ्य अब कैसा है । मैं ईश्वर से कामना करता हूं कि आपका स्वास्थ्य शीघ्र ठीक हो । मैं सेवा में उपस्थित होकर सेवा चाकरी करता मगर किन्हीं कारणों वश असमर्थ हूँ । आपने भरतपुर आने के लिए जल्दी ही प्रयत्न के लिए लिखा है, सो ठीक पहिले तक को बिल्कुल ठीक करना है । भरतपुर(?) प्रयत्न करेंगे । आपने को लिखा कि 30 दिसम्बर से लगातार साढ़े तीन अन्तराय चल रहे हैं । सो ठीक नहीं है । मैं भी अब भरतपुर से बाहर किसी कार्य वश जा रहा हूँ । आपसे चैत्र मार्च में आपके दर्शन करने हेतु आकर करूंगा । आप अपना मकान के निश्चित हो के उपयोग

करने की कृपा करें । तो कि उपयुक्त प्रयास में को सफल

हो

... लेकिन इस समय यहाँ भीषण गर्मी प[illegible]
रही है जिसके कारण परेशान अवश्य रहते हैं।
यहाँ हर जगह मलेरिया, ज्वर, खाँसी तथा मोती-
झरा का प्रकोप सा चल रहा है। आपकी कृपा से
सब खैरियत है।
भैयाजी चरणीधरजी की आज जन्मपत्रिका आ
गई है और शास्त्री जी [illegible] की जन्मपत्रिका
[illegible] 19-6-75 की [illegible]
प्रातः भेज दी गई है। शादी दि० 20-6-75 को
भैयाजी [illegible] की शादी दि० [illegible]
निश्चित हुई है। शेष सब कुशल मंगल है।
[illegible] आदि सभी का यथायोग्य [illegible]
[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS FOR THE REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY



c/o Pt Jatar Shankar Ji Sharma,
P.O. SOHANA,
via Chandigarh
पिन PIN

|| श्री: ||

भरतपुर

दिनाङ्क 15 जून 1975

रविवार

[सदस्यों को ढूला के लिये कोई आज्ञा नहीं हुई है। यहाँ भेजें। आज्ञा करें।]

सेवामें

परम श्रद्धेय भगवत्पाद श्री श्रीजी महाराज-जी! करबद्ध साष्टाङ्ग श्रीचरणारविन्दों में ढोक ज्ञात हो।

कुशल क्षेम के उपरान्त आपके श्रीदर्शनों के लिये सदैव ही मन हुलसता रहता है। वैसे आपकी आज्ञानुसार शाम्भवी में साक्षात्कार करता हूँ। आपको बारम्बार नमस्कार, नमस्कार है। आपकी श्रीकृपा से समस्त प्रकार की कठिनाइयों में कोई घबड़ाहट नहीं होती है। मुझे डरने या घबड़ाने की आवश्यकता या स्वाभाविकता ही क्या है क्योंकि जब आप स्वयं का आश्रय व प्रश्रय मुझे प्राप्त है। बस एक ही प्रार्थना है कि अपने आपको सदैव अपनाते रहने की महति कृपा करते रहें और भूल एवं अपराधों के लिये क्षमा-याचना है। अनन्त श्री श्रीजी महाराजजी को मेरा अनन्त जयशङ्कर जयशङ्कर स्वीकार हो।

जयशङ्कर ज्ञात हो। इस समय स्वास्थ्य ठीक

मैं शीघ्र ही आपके आने व पत्र
द्वारा प्रोग्राम की प्रतीक्षा में हूँ।

~~[illegible]~~

यहाँ के सभी पारिवारिक सदस्यों को
व मिलने वालों को वहाँ के प्रेमियों को
यथायोग्य नमस्कार व आपको कोटिशः
प्रणाम कहा है।

गलतियों को क्षमा चाहता हूँ।

आपका अबोध बालक

धर्मेश्वर

पोस्ट कार्ड
POST CARD



केवल पता
ADDRESS ONLY

अनन्त श्री "श्री" जी महाराज
c/o
श्री सीता राम जी
B. 66 II (2)
मोती बाग
नई दिल्ली 21

पिन PIN

भरतपुर
२९।१।६८

परमपूज्य श्री "श्री" जी महाराज

दासानुदासका कोटिशः प्रणाम। अत्र कुशलम् अस्तु
अपरं च आपका पत्र प्राप्त हुआ। इससे पहिले मैं दो और
पत्र डाल चुका हूँ। क्या कारण है कि आपके पास नहीं
पहुँच सके। कह नहीं सकते डाक व्यवस्था की गड़बड़ी
होगा। ताऊ मामा जी बरेली ही है उनका पता ~~[illegible]~~
~~[illegible]~~

हरिप्रसाद खण्डेलवाल
३५२१ आलम गिरि गंज
बरेली (उ.प्र.)

को उनका स्वास्थ्य अब ईश्वर की कृपा से पर है।

मैं घर पर ही रहता हूँ। कोई नौकरी आदि
नहीं कर रहा हूँ। आपकी सेवा में हर समय रह सकता
हूँ। आप ~~[illegible]~~ को कोई तकलीफ ~~[illegible]~~ नहीं होगी।
फिर प्रश्न शरण जी के कोर्ट का फैसला हो गया है।
आज कल वह ट्रेजरी आफिस ~~[illegible]~~ कर रहे
सो कि मुकदमे के पहले ही है इसके बाद उनको

कोई समाचार नहीं आया







श्री रतन लाल अग्रवाल

10 चर्च लेन

भोगल (जंगपुरा)

नई दिल्ली - 14

NEW DELHI

पिन PIN

२५.८.६६

आदरणीय

श्रीमान् जानकी रत्न लाल जी

सादर जयशंकर

सर्वत्र कुशलं अस्तु, कुछ दिन पूर्व श्री पंडित श्रीनाथ जी (टिक्कू) का पत्र आया था, उसके उत्तर में उसी समय पत्र दिया था किन्तु उसका उत्तर अभी तक नहीं मिला। अतः कृपया तत्काल पत्रोत्तर द्वारा "श्री जी" महाराज के कुशल समाचार लिखें और उन से यहां के सभी प्रेमियों का सादर प्रणाम निवेदन करें। शेष कुशल है त्रुटियों के लिए क्षमा।

पत्रोत्तर शीघ्र दें

आपका
जयशंकर शर्मा

श्रीमान्जी को सादर दण्डवत
नवभारत में श्री भरतपुर में बाढ़
की सम्भावना प्रकाशित हुई है
मैं भी आपके भरतपुर आने
की सम्भावना सुनकर दर्शन
की अभिलाषा से उपस्थित हुआ हूं
आपके स्वास्थ्य वृत्त से अन्तर्वेद
हुआ है अस्तु सम्भव होने पर यदि
आप धामपुर कुछ समय निकाल कर
सके तो कृतार्थ होने का अवसर होगा
सूचित होने पर उपस्थित हो सकूंगा
आपका [illegible]
-धर्मवीर शास्त्री श्रीराधा कृष्ण मन्दिर धामपुर
धामपुर बिजनौर

भारत INDIA

NEW DELHI 16 8

प्रापक -
~~आदरणीय श्री " जी महाभाग~~
Shri Rattan Lal Ji
~~C/o श्री कस्तूरीलाल जी आनन्द~~
10, Church Lane, Bhopal
~~आनन्द भवन सी.-ई. एन. एच. यू~~
Jangpura N. DELHI-14
फरीदाबाद
NIT पिन PIN
हरियाणा

"श्री"

भरतपुर
2·8·66

परमादरणीय महामहिम
श्री ला श्री "श्री" जी महाभाग, सादर सश्रद्ध चरण
सरोरुहेषु अभिवादनम् । क्षमता । भगवन् । यद्यपि
प्रायः पत्र श्री मामा जी ने लिखे हैं तथापि श्री पट्टाभि-
राम शास्त्री द्वारा प्राप्त सूचनानुसार भरतपुर क्रितः
जलमग्न होने जा रहा है लेकर मैं जल वृद्धि के कारण
जयपुर का आवागमन अवरुद्ध हो गया है अन्य मार्ग भी
अवरुद्ध होना सम्भावित है श्री शास्त्री जी द्वारा सर्प का
दर्शन पेड़ के ऊपर भी सम्भावित जलाप्लावन का
ही पूर्व संकेत गृहीत किया गया है श्री पट्टाभिरामजी

बुखार!
हो सकता है ...
मलेरिया ही हो!
क्लोरोक्विन गोलियां लें



श्रीमान्
अनन्त श्री "श्री" श्री महाराज
बाबू सीताराम जी

"वी" ६६ मोतीबाग 2

नई दिल्ली

पिन PIN

॥ श्रीः॥ चौमुहाँ भरतपुर
२०।९।६२

अनन्त श्री "श्री" माँ महाराज

कोटिशः सादर प्रणाम। सविनय कुशल अस्तु। मैं बरेली से आकर पहले भी एक पत्र आपकी सेवा में लिख चुका हूँ। उसका कारण है कि उसका कोई उत्तर अभी तक नहीं मिला न ही आपके कुशल का समाचार ही प्राप्त कर सका। भाभी जी का भी बरेली से आपके प्रोग्राम के विषय में पत्र आया था। उनका स्वास्थ्य अब पहले की अपेक्षा स्वस्थ है आशा ही नहीं विश्वास है आपके प्रोग्राम शीघ्र ही अवगत कराने की कृपा करेंगे। समस्त पारिवारिक व मिलने वालों को ~~[illegible]~~, ~~[illegible]~~ सादर चरण स्पर्श। मेरा सभी मिलने वालों को यथायोग्य नमस्कार मालूम हो।

—सर्वेश्वर

...जानकी

बिलकुल
ठीक है।
चुटियों के
लिए धागा
प्राप्त हुई।
सदा आपका
चरण
सेवक
[illegible]



Sri: [illegible]
c/o.
N. D. Bakhshi.
Hindustan Housing Factory
33 A. House No. P.O. Jangpura
NEW DELHI. 14

P.O. JANGPURA.

Phone No. **33** Gram : "LAKSHMI"

THE LAKSHMI CYCLE INDUSTRIES.

Manufacturers of Cycle & Fitments

No............ **BHARATPUR** Date 31. 8. 1963.

(Rajasthan)

अनन्त श्री पूज्य पाद काका जी को दासानुदास के अनेक स्नेह साष्टांग दण्डवत् प्रणाम स्वीकृत हों।

श्री पं- श्री- का कमरा अभी पूरा नहीं बन सका है इस बारादरी को काम बाकी है वह गुरुवार को देखवी पधार रहे हैं आपके स्वास्थ्य की बाबत सुनकर बहुत दुःख हो रहा है। आप- महान साधु पुरुषों को भी पूर्व जन्म का अनुभव होते हुए भी दुःख भोगना पड़े यह बड़ी विचित्र माया है यह ही समझ में नहीं आती। आप [illegible] अभी इन कुछ समय [illegible]

कष्ट के लिए क्षमा
चाहता हूँ
आप का सेवक
का उदय भानु चन्द
मारफत सुनेहरी लाल खिवर
डवा कट 23 दरियागंज
देहली



पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

Shri Raj Kumar
Aggarwal
House no 9 539
Shri Niwas Puri
New Delhi

c/o S. L. Chhibber
advocate
23 Darya Ganj
N. Delhi

श्रीमान अग्रवाल जी
नमस्कार

मुझे श्री जी ब्रह्मचारी जी से मालूम हुआ है कि वे सालन में अपने देहली आने का और आप के पास ठहरने का प्रोग्राम दे रखा है कृपया उपर के पता पर सूचित करने की कृपा करें कि वह आ कर ठहरे ही हैं उन से मिलने का टाईम भी पूछ कर बताएं मुझे जरूरी दर्शन करने हैं।

कहना कि बाबू राम अत्री
रमेश हौज़री लुधियाना
वाले आप के चरणों में
प्रणाम कहते है।

पं० बाबूराम अत्री
रमेश हौज़री वर्क्स
माधोपुरी नं० 2
लुधियाना।



सेवा में श्रीमान गोविंद जी मिश्रा
C/o भार्गवाचार्य
भरतपुर स्टेट
नौकुण्ड

लुधियाना ओं १९.८.५८

पूज्य गोविंद जी मिस्त्री

नमस्कार

नम्र निवेदन है। वापसी पत्र पता दें कि आचार्य जी पंजाब कब आ रहे हैं। यदि आने का विचार हो तो हमारी तरफ से सविनय प्रार्थना है। कि हमें अवश्य दर्शन दें। यदि आजकल पंजाब में आये हुए हों तो उस स्थान का पता दे देना आप की महती कृपा होगी। यदि आप पंजाब नहीं आये। तो

भारि । प्रतिदिनं वर्धतेतरां
धर्मभावः । बैहणी निवासी
श्री ला. रत्नचन्द्रो ऽधुना स्वयं
पक्षाघातव्याधिपीड़ित : "मैसर्स
रामजीदास दीनानाथ जी
जनरल मर्चेंट्स - लोअर
बाजार शिमला" नगर
स्थित - वांछति च श्री -
मद्दर्शनम् - पत्रोत्तर द्वारा ऽनु
गृहीतश्चाऽयं दासः ।—
दासः । — मदनलाल वै.



श्री "श्री जी"
C/o के.सी. जैन जी
टेलीफोन सुपरवाइजर
शिमला

ॐ ज्वालामुखी

४ ज्येष्ठ २०२१.

श्रीमत्सु परमपूज्य-आचार्य
चरणारविन्देषु नन्दकिशोर
कृता नतयः — समत्र सन्ततम-
भूमत्र तत्रास्तु, अधिगतं
श्रीमत्कं कृपापत्रम्. विदितं-
च वृत्तम्. पत्रमेकं पूर्वमपि
श्री संतराम शर्मद्वारा प्रेषितं मया.
अत्रत्याः- सर्वे कुशलिनः।
अमरावती नगरात् — निकु
समागतः प्रथमदिने ज्येष्ठमासस्य।
सर्वे मत्पारिवारिकाः। प्रणमन्ति
श्री [illegible]
बाला च श्रीमद्दर्शनं काङ्क्षते-

विदुषां विधेयः. प्रणामाः /

चल रही है। वीवी जी और बुआ जी
को प्रणाम। वह आपकी बातें अक्सर
करता रहता है। रक्षा का और उसका
भी प्रणाम स्वीकार हो। शायद आपका
स्वास्थ्य कुल्लू जाकर ठीक हो
जायेगा। शेष सब प्रकार से आपकी
कृपा है। कुशलता का पत्र आप
अवश्य लिखवाने की कृपा करें।

मैं हूँ आपकी आज्ञाकारिणी

अपना [illegible] जालन्धर





To.

Shri Shri ji
C/o
Shri R.K. Aggarwal ji
G-539 Shri Niwas Puri
Ring Road N. Delhi-14
(New Delhi-14)

श्री श्री १०८ श्रीजी महाराज, om

jullundur
27.10.62.

प्रणाम स्वीकार हो,

अत्र कुशलम् तत्रास्तु !

चरणों में निवेदन यह है कि आपका पत्र मिल गया था। उत्तर इसलिए न दे सकी क्योंकि मेरे पास आपका Address ही नहीं था। नालागढ़ से मंगवाया है। आशा है कि आप मुझे इस गलती समझो या मजबूरी के लिए क्षमा करेंगे। आज-कल मेरे पेपर हो रहे हैं। ३० ता० को खतम हो जायेंगे। इसके पश्चात आपकी आज्ञा अनुसार एक दो दिन में हम नालागढ़ चले जायेंगे। कुल्लू से बाबु जी का भी पत्र अक्सर आ जाता है। आपकी सेहत भी कुछ खराब सी ही रहती है लिखें कि आजकल क्या हाल है। दवाई कितनी

सत्या देवी और लड़कियों की तरफ से भी प्रणाम ~~मैं~~ प्रार्थना करूंगा कि अंग के चिन्हों से आप कतई सफर न करें, करना वृथा ही कष्ट होगा। आप की कृपा से यहां (नालागढ़) में सब आनन्द पूर्वक हैं। (चन्द्रमणी राजपुरा में है बच्चे उसके यहीं पर हैं। मेरे योग्य सेवा लिखें। और पत्र डाल दिया करें कृपा होगी

आप का दास / सन्तराम नालागढ़

पोस्ट कार्ड POST CARD
जवाबी REPLY
केवल पता ADDRESS ONLY



सेवा में / श्री [illegible] जी महाराज
C/o Pandit Nitya Nand Shastri
Shri Niwas Puri
N. Delhi-14

श्रीः

रोपड़
28.9.65

प्रेमस्ना श्री विभूषित श्री 'जी महाराज
" सादर साष्टांग प्रणाम "

बहुत दिनों से आप का कृपा पत्र
न मिलने से चिन्ता हो गई
क्यों कि आज कल समय भयानक है
तब श्रीमान् मिश्र जी को पत्र लिख कर
मालूम किया कि आप देहली में हैं
और स्वास्थ्य भी ठीक सा हो गया था।
मैं बदल कर रोपड़ आ गया हूँ हररोज रोपड़ आता
उस वक्त से ही चला जाता हूँ। घर
रात को वापिस हो जाता हूँ। अब हरिराम जी को
वाली किमार हो है। अब
इन्स्पैक्टर बना दिया गया था, आज कल
वह जींद में लगे हुए हैं और स्वास्थ्य
काफी अच्छा मालूम होता है उनको
हम को भी कोई खास शिकायत नहीं रही
आगे भगवान जाने या आप, भगवती
दास भी यहीं पर है, उसको
श्री ... आशीर्वाद स्वीकार होवे

पता नहीं यह [illegible]

[illegible] इस [illegible] से मुझे

[illegible] और

[illegible]

और [illegible] है [illegible] है [illegible] ।

[illegible] नहीं श्री [illegible]

है या मेरे [illegible] है !

नहीं पर और [illegible] आनन्द है

[illegible] प्रणाम निवेदन

करें । श्री जी महाराज [illegible]

[illegible]

करें । [illegible]

[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

जवाबी
REPLY

केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP
भारत
६ न.पै.

EXPRESS DE[illegible] SAVES T[illegible]

Sh. R.K. Aggarwal
G-539 Shrinivaspuri
Ring Road N. Delhi
New Delhi -14

श्री:   ३०६३

प्रियवर श्री राजकुमार जी   30.6.65

।। जयश्रीकृष्ण ।।

आपका कार्ड व पत्र यथा समय प्राप्त हो गये था परन्तु मैं अपने चक्कर में हूँ इसलिये उत्तर में देर हो गई है। आपना श्री विभूतिमान श्री जी महाराज के चरण कमलों में मेरा प्रणाम निवेदन करें। श्री भगवतीदास जी ने श्री जी के जन्म दिवस के उत्सव के साथ रामायण पाठ और कीर्तन सम्मेलन जोड़कर 5.7.65 से 12.7.65 तक का प्रोग्राम रखा है जी। डा. हीरालाल जोशी पहले से अच्छे हैं परन्तु अभी चुपही रहते हैं। दवाई कभी खाते हैं कभी छोड़ देते हैं। पूज्य [illegible] तक उन को [illegible] कहीं नहीं की है। [illegible] स्कूल चिट्ठी आई थी कि आज का [illegible] लगाया जा रहा है। लाल मन्दिर [illegible] कमरा ही बैठे हैं। भगवतीदास जी घर 10/15 दिन पहले पुत्र पैदा हुआ है। मेरा घरवाली बदस्तूर बीमार है। कष्ट में कमी नहीं बल्कि [illegible] गया [illegible] है। मेरा लड़का [illegible] है रोज सवेरे जाता है शाम को वापिस आता है [illegible] पड़ता है

[illegible] लड़कियों का स्कूल का काम ठीक नहीं है



पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

श्री अमृतवाग्भवजी आचार्य
C/o वैद्य ब्रह्मानन्द (त्रिगुणा...)
मोती लाल रोड जयपुर
...

श्री पूज्य-चरणों में नमस्कारानन्तर
निवेदन है कि मैं तो इधर यहां संतोष
किये बैठा था कि स्वास्थ्य ठीक हो रहा है
आप इधर जरूर पधारोगे परन्तु
श्री निरंजन लाल जी का पत्र आते
ही देखा कि श्री गोविन्द जी देहली
श्री जी के पत्र जो पंजाब से देहली
[illegible]
वैशाख में इधर [illegible] श्री [illegible]

लगे तब आकर दर्शन करूं आगे भगवदिच्छा
देखो कैसा समय आने वाला है भगवान ही
जाने श्री चरणों में
प्रार्थना है कि यहां का जलवायु अनुकूल न
होतो यहां मेरे पास ही आजावें जैसा होगा सेवा
करूंगा अथवा औषधादि खर्च कुछ पैसों की
आवश्यकता हो निःसंकोच लिखें भेजदूं
मेरी स्थिति तो आप की कृपा से ही सुलझेगी
श्री अग्रवाल जी आप कृपया श्री जी के
स्वास्थ्य का पता देते रहें वैष्णव चरणानुरागी





श्री अनन्त वागभवाचार्य जी
C/o राजकुमार अग्रवाल
जी. 5/36 श्री निवास पुरी
रिंग रोड नई देहली 14

७-५-६१
लहरा मेही

श्री परम वन्दनीय श्री-चरणो में
कोटिशः प्रणाम

पत्र श्री अग्रवाल जी का लिखा, मिला
पढ़कर चित्र विचित्र समुद्र में डूबगया।
इधर भाई भोजराज ५-६ दिन से अत्यन्त
कष्ट में चल रहा है। अतिसार के साथ २
हमकती चलरही है। कमजोर तो चिरकाल
कि व्याधि के कारण था ही अब
अतिसार के कारण पता नहीं किस समय
अवांछ घटना घट जाय इसलिये दुविधा
मे लटक रहा हुं एक तरफ आपकी
दुर्बलता और व्याधि कष्ट मे सेवा मे आने
की सोचता... [illegible] ...
करुं यदि दो-चार दिन में शान्ती होने

अनुग्रहीत महाराज द्वारा मुझे भी
काफी परेशान किया। उसका कहना
यह है कि दुर्भाग्यवश वह काफी
बीमार हो गया था अतः इस
कार्य को स्वयं नहीं कर सका और
अब उसने किसी और से टाईप
करवा कर दिया है। टाईप हुए
पृष्ठों में भी काफी संशोधन करना
पड़ा है। उसकी प्रतीक्षा और संशोधन
की आवश्यकता के कारण मैं पहले
दर्शन नहीं कर सका। बुधवार
२३ जनवरी को दर्शन करूंगा
और सारा मैटर साथ ले आऊंगा।
उस छोटे
आप को इस कष्ट के लिए बारबार
क्षमा प्रार्थना है। विनीत सेवक जगदीश

पोस्ट कार्ड
POST CARD



केवल पता
ADDRESS ONLY

सेवा में

श्री महामहिम आचार्य चरण
C/o
श्री बख्शी जी
हाउसिंग फैक्टरी
जंगपुरा देहली।

श्री:

देहली
२७।११।६३

परमपूज्य श्री-चरणों में

सादर प्रणाम।

निवेदन यह है कि एक सप्ताह पश्चात् श्री-व्याशिका के अनुवाद के टाईप हो जाने की आशा सुन कर के दर्शन करके मैं आया था; किन्तु अब दो सप्ताह से भी अधिक समय हो-गया और मैं श्री-चरणों में नहीं उपस्थित हो सका। मुझे विशेष संकोच और अपने प्रति ग्लानि का सा अनुभव हो रहा है कि मैं यथा समय नहीं आ-सका और आप को प्रतीक्षा का कष्ट देने के लिए कारण बना किन्तु इस विलम्ब का कारण यह है कि जिस छात्र को टाईप के लिए काम दिया था उसने कल २६ नवम्बर को टाईप करके दिया है। वह छात्र प्रभाकर की कक्षा में मेरा छात्र था और उसे मैं ने विश्वसनीय समझ कर ही श्री-चरणों में [illegible] के अनुसार

अनुसार उल्लेख किया था, परन्तु उस ने